Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to take necessary measures for welfare of Magra-Merwara region in Ajmer Parliamentary Constituency, Rajasthan -laid.

श्री भागीरथ चौधरी (अजमेर): राजस्थान का हृदयस्थल अरावली अजमेर के पास नरवर से कामलीघाट के पास दिवेर के बीच 125 किलोमीटर लम्बे व 20 किलो मीटर चौड़े छोटे-छोटे पहाडी क्षेत्र को मगरा नाम से जाना जाता हैं जो वर्तमान में दो लोक सभा क्षेत्र राजसमन्द व अजमेर मे फैला हुआ है इस परिक्षेत्र में मुख्य रूप से रावत-मेहरात जाति का बाहुल्य हैं । बाकी अन्य जातियां भी यहां निवासरत हैं । गत वर्षों में दमदार राजनीतिक प्रतिनिधित्व नहीं होने के कारण इस मगरा क्षेत्र का उचित विकास नहीं हो पाया हैं । इस परिक्षेत्र की प्रमुख आवश्यकता एवं मांगे निम्नानुसार हैं

(1) वर्ष 1998 तक अजमेर स्थित सेना-भर्ती मुख्यालय को पुनः अजमेर लायें ।

(2) कश्मीरी स्काउट की भर्ती की तर्ज पर अविभाजित मगरा वासियों के लिए विशेष भर्तियों की कम्पनियां खुलनी चाहिए ।

(3) मगरा-विकास-बोर्ड को संवैधानिक दर्जा देकर केन्द्र सरकार के अधीन लाना चाहिए ।

(4) मगरा क्षेत्र में सैनिकों-पूर्व सेनिकों की संख्या को दृष्टिगत रखते हुए नये-सैनिक-स्कूल खोले जाने चाहिए ।

(5) पूर्व में एनटीसी (नेशनल-टेक्सटाइल-कॉर्पोरेशन-ऑफ-इण्डिया) की 3 कपड़ा मिलें चलती थी । उन्हें पुनः शुरू कराने के प्रयास करने चाहिए ताकि समुचित रोजगार की उपलब्धता हो सके ।

अतः सरकार अविलम्ब अजमेर संसदीय क्षेत्र के मगरा-मेरवाड़ा क्षेत्र का समुचित-विकास कराने हेतु सक्षम विभागीय कार्यवाही कराकर राहत

प्रदान करायें ।